



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

*John*  
7/3/87

सं. 2]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 1, 1987/पौष 11, 1908

No. 2] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 1, 1987/PAUSA 11, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)  
नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1987

अधिसूचना  
आयकर  
सं. 7084

सा.वा.नि. 2(ग्र)---कुकि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई यात्रायात  
से उद्भूत होने वालों आय के बोहरे करायान के परिहार  
के लिए भारतीय गणराज्य का सरकार तथा यमन अरब  
गणराज्य को सरकार के बीच संलग्न करार दिनांक 30-12-86  
का, उक्त करार के अनुच्छेद 5 द्वारा यथापेक्षित, संविदाकारों  
राज्यों द्वारा उम पर व्याप्तिकार करने का तारख से, प्रवृत्त  
हो गया है;

अतः अब आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) को धारा 90, तथा कम्पने (लाभ) अतिकर अधि-  
नियम, 1964 (1964 का 7) को धारा 24-ए द्वारा  
प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं  
द्वारा निर्देश देतो है कि उक्त करार के सभी उपबंध भारत  
संघ में लागू होंगे।

भारत गणराज्य का सरकार  
और  
यमन अरब गणराज्य को सरकार  
के बीच  
अन्तर्राष्ट्रीय यायुयान परिवहन से होने वाली आय पर बोहरे  
करायान के परिहार के लिए  
करार

भारत गणराज्य का सरकार  
और  
यमन अरब गणराज्य को सरकार  
अन्तर्राष्ट्रीय यायुयान परिवहन से होने वाली आय पर बोहरे  
करायान के परिहार के लिए करार सम्पन्न करने  
की इच्छा से नीचे लिखे वालों पर सहमत हुई  
है :

## अनुच्छेद 1

कर

1. वर्तमान कर, जिन पर यह करार लागू होगा, इस प्रकार है।

(क) यमन अरब गणराज्य के मामले में:

कानून सं. 11-1973 के मन्तर्गत लगाया गया आयकर जिसमें आयकर पर लगने वाला अधिभार भी शामिल है (जिसका, इसके बाद "यमन कर" के रूप में उल्लेख किया गया है);

(ख) भारत के मामले में:

(i) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधन लगाया जाने वाला आयकर जिसमें आयकर पर लगने वाला नई भ अधिभार शामिल है;

(ii) कंपनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) के अधन लगाया जाने वाला अतिकर (जिसका, इसके बाद "भारत ग कर" के रूप में उल्लेख किया गया है)

2. यह करार, किन्हीं दमरूप अथवा सारतः इसी तरह के उन करों पर भ. लागू होगा, जो इस करार पर हम्माक्षर किये जाने के तारख के बाद, इस अनुच्छेद के पैराग्राफ 1 में उल्लिखित करों के अतिरिक्त अथवा उनके स्थान पर लगाए जाएंगे। संविदाकारा राज्यों के राखम प्राधिकार अपने-अपने कराधान कानूनों में निए जाने वाले किन्ही बड़े वरिवर्तनों के संबंध में एक दूसरे को सूचित करेंगे।

## अनुच्छेद 2

परिधान

1. इस करार में; जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित नहीं हो:

(क) "संविदाकारा राज्य" और "अन्य संविदाकारा राज्य" पदों का अभिप्राय, संदर्भ की अपेक्षानुसार, "यमन अरब गणराज्य" अथवा "भारत" से है;

(ख) "कर" शब्द का अर्थ, संदर्भ की अपेक्षानुसार, "यमन कर" अथवा "भारत ग कर" है;

(ग) "एक संविदाकारा राज्य का उद्यम" पद का अर्थ है प्रत्येक संविदाकारा राज्य द्वारा नामित हवाई कम्पनी;

(घ) "अन्तर्राष्ट्रीय हवाई यातायात" पद से अभिप्रायः संविदाकारा राज्य के उद्यम द्वारा प्रबलिन वायुयान द्वारा परिवहन में है, केवल उस स्थिति को छोड़ कर लागू होगा। तथापि यह करार प्रत्येक संविदाकारा राज्य के उद्यम की आय के संबंध में, अन्य संविदाकारा राज्य में उस उद्यम के चालू होने को तारख से लागू होगा।

(ङ) "विमान प्रचालन" पद से अभिप्राय वायुयान के मालिकों अथवा पट्टाधारियों अथवा अधिक्रेताओं द्वारा चलाए जा रहे, यात्रियों, पशुओं, माल अथवा डाक के वायुयान द्वारा तुलाई के कारोबार में है जिसमें अन्य उद्यमों के ओर से इस प्रकार के परिवहन के लिए टिकटां का बिक्री, विमान का आनुषंगिक पट्टा और ऐसे परिवहन से प्रत्यक्षतः नम्बर अन्य कार्यकलाप भ. सम्मिलित हैं।

2. संविदाकारा राज्यों में से किस, एक राज्य द्वारा इस करार के उपबन्धों के प्रबल्लन में, किसी भी ऐसे पद का अर्थ, जिसे प्रयुक्त तो किया जाया है तेकिन यहां परिभाषित नहीं किया गया है, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित नहीं हो, वह होगा जो उस राज्य में, उन करों के संबंध में प्रवृत्त कानूनों के अध्यन होता है, जिन पर यह करार लागू होता है।

## अनुच्छेद 3

वहां कराधान का वरिहार

1. अन्तर्राष्ट्रीय यातायात में वायुयान प्रचालन से संविदाकारा राज्य के उद्यम द्वारा प्राप्त लाभों को अन्य संविदाकारा राज्य में कर में छूट मिलेगा।

2. पैराग्राफ (1) के उपबन्ध, किस, पूल में भाग दारी, संयुक्त ध्यापार अथवा अन्तर्राष्ट्रीय संचालन एजेंस से प्राप्त लाभ पर भ. लागू होंगे।

3. पैराग्राफ (1) और (2) के प्रयोजनों के लिए, अन्तर्राष्ट्रीय यातायात में वायुयान प्रचालन से संबंधित निधियों पर व्याज, ऐसे वायुयान के प्रचालन से प्राप्त लाभ समझा जाएगा।

## अनुच्छेद 4

प्रविशिष्ट उपबन्ध

संविदाकारों राज्यों में से किसी भी राज्य में प्रवृत्त कानून, संविदाकारों राज्यों में आय के कर निर्धारण और कराधान के सम्बन्ध में उन मामलों को छोड़ कर लागू होने रहेंगे जिनके सम्बन्ध में इस करार में स्पष्टतः इसके विपरीत उपबन्ध जोड़ा जाया है।

## अनुच्छेद 5

प्रवर्तन

प्रत्येक राज्य, इस करार को लागू करने के लिए अपने कानून में अपेक्षित प्रक्रिया पूर्ण होने का सूचना दूसरे राज्य को देगा। यह करार, संविदाकारों राज्यों द्वारा उस पर हम्माक्षर को तारख से लागू होगा। तथापि यह करार प्रत्येक संविदाकारों राज्य के उद्यम की आय के संबंध में, अन्य संविदाकारा राज्य में उस उद्यम के चालू होने को तारख से लागू होगा।

अनुच्छेद 6

पर्यवसान—28

यह करार अनिश्चित काल तक लागू रहेगा, किन्तु संविदाकारा राज्यों में से कोई भी राज्य, वर्ष 1991 के पश्चात् किसी भी केलेण्डर वर्ष में 30 जून, का अथवा उससे पहले, दूसरे संविदाकारा राज्य को पर्यवसान का लिखित नोटिस दे नकेगा और उस प्रियति में यह करारः

- (क) यमन गणराज्य में, जिस केलेण्डर वर्ष में लाइन दिया जाता है उसके परवर्ती दूसरे वर्ष के जनवरी के प्रथम दिन को अथवा उसके पश्चात् प्रारम्भ होने वाले कर निर्धारण वर्ष के समय में निष्प्रभाव हो जाएगा।
- (ख) भारत में, जिस केलेण्डर वर्ष में नोटिस दिया जाता है उसके परवर्ती दूसरे वर्ष के अप्रैल के प्रथम दिन को अथवा उसके पश्चात् प्रारम्भ होने वाले कर निर्धारण वर्ष के समय में निष्प्रभाव हो जाएगा।

जिसे साथ से, इसके लिए विधिवत प्राधिकृत अधीक्षताधारिया ने इस करार पर हस्ताक्षर किये हैं।

मेरे हजार नी सो छिवाम के दिनम्बर मास के तीनवें दिन दो दो मूँज प्रतियां में हिन्दू, यमव और अंग्रेज शासा में हिंग भरा, सभा पाठ समाजन प्रामाणिक होते। तीनों पाठों में अर्थ निष्पाण का मिश्रण के मामले में अंग्रेज पाठ अधिभाव होता।

भारत गणराज्य की नरकार यमन गणराज्य का नरकार का और मे

(स. १० के० तिथू) (नातर अलया श्रवणमन)

अध्यक्ष केन्द्र य प्रत्यक्ष कर बोई तहायक उपमन्त्र एवं पदेन अप० तत्वित, भारत नरकार वित मन्त्रालय

[फा. सं. 501/4/83-वि. क. प्र.]

बो. यू इराणा, संयुक्त प्रचिक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 1st January, 1987

NOTIFICATION

INCOME-TAX

NO. 7084

G.S.R. 2(E).—Whereas the annexed Agreement between the Government of the Republic of India and the Government of Yemen Arab Republic for the avoidance of double taxation of income derived from International air transport has entered into force on 30-12-1986, the date of the signature thereon by the Contracting States, as required by Article 5 of the said Agreement;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and section 24A of the Companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964), the Central Government hereby directs that all the provisions of the said Agreement shall be given effect to in the Union of India.

ANNEXURE  
AGREEMENT  
BETWEEN  
THE GOVERNMENT OF THE REPUBLIC OF  
INDIA  
AND  
THE GOVERNMENT OF YEMEN ARAB  
REPUBLIC

FOR  
THE AVOIDANCE OF DOUBLE TAXATION  
OF INCOME DERIVED FROM INTERNATIONAL  
AIR TRANSPORT  
THE GOVERNMENT OF THE REPUBLIC OF  
INDIA  
AND  
THE GOVERNMENT OF YEMEN ARAB REPUBLIC  
DESIRING TO CONCLUDE AN AGREEMENT  
FOR THE AVONDANCE OF DOUBLE  
TAXATION OF INCOME DERIVED FROM  
INTERNATIONAL AIR TRANSPORT  
HAVE AGREED AS FOLLOWS

#### Article 1

#### TAXES COVERED

1. The existing taxes to which this Agreement shall apply are :

(a) in the case of Yemen Arab Republic, the income-tax including surcharge thereon imposed under the Law No. : 11-1973 (hereinafter referred to as "Yemeni Tax");

(b) in the case of India :

(i) the income tax including any surcharge thereon imposed under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(ii) the surtax imposed under the Companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964). (hereinafter referred to as "Indian Tax").

2. This Agreement shall also apply to any identical or substantially similar taxes which are imposed after the date of signature of this Agreement in addition to or in place of the taxes referred to in paragraph 1 of this Article. The competent authorities of the Contracting States shall notify each other of any substantial changes which are made in their respective taxation laws.

## Article 2

### DEFINITIONS

1. In this Agreement, unless the context otherwise requires :

- (a) the term 'a Contracting State' and 'the other Contracting State' mean "Yemen Arab Republic" or "India", as the context requires;
- (b) the term 'tax' means 'Yemeni tax' or 'Indian tax' as the context requires;
- (c) the term 'enterprise of a Contracting State' means an airline designated by each Contracting State;
- (d) the term 'international air traffic' means any transport by an aircraft operated by an enterprise of a Contracting State, except when the aircraft is operated solely between places in the other Contracting State;
- (e) the expression 'operation of aircraft' means the business of carriage by air of passengers, livestock, goods or mail carried on by the owners of lessees or charters of aircraft, including the sale of tickets for such transportation on behalf of other enterprises, the incidental lease of aircraft and any other activity directly connected with such transportation.

2. In the application of the provisions of this Agreement by one of the Contracting States, any term used but not defined herein shall, unless the context otherwise requires, have the meaning which it has under the laws in force in that State relating to the taxes which are subject of this Agreement.

## Article 3

### AVOIDANCE OF DOUBLE TAXATION

1. Profits derived by an enterprise of a Contracting State from the operation of aircraft in international traffic shall be exempted from tax in the other Contracting State.

2. The provisions of paragraph 1 shall also apply to profits from the participation in a pool, a joint business or an international operating agency.

3. For the purpose of paragraphs 1 and 2, interest on funds connected with the operation of aircraft in international traffic shall be regarded as profits derived from the operation of such aircraft.

## Article 4

### RESIDUAL PROVISIONS

The Laws in force in either of the Contracting States will continue to govern the assessment and taxation of income in the Contracting States except where express provision to the contrary is made in this Agreement.

## Article 5

### ENTRY INTO FORCE

Each State shall notify to the other the completion of the procedures required by its law for the bringing into force of this Agreement. The Agreement shall enter into force on the date of the signature thereon by the Contracting States. It shall, however, apply in relation to the income of the enterprise of each Contracting State from the date of commencement of the operation of that enterprise in the other Contracting State.

## Article 6

### TERMINATION

This Agreement shall continue in effect indefinitely but either Contracting State may, on or before the thirtieth day of June in any calendar year after the year 1991 give notice of termination to the other Contracting State and in such event this Agreement shall cease to be effective :

- (a) In Yemen Arab Republic, in respect of any year of tax commencing on or after the 1st day of January of the second calendar year following the year in which the notice is given;
- (b) In India, in respect of any assessment year commencing on or after the 1st day of April of the second calendar year following the year in which the notice is given.

IN WITNESS WHEREOF the undersigned, duly authorised thereto, have signed the present Agreement.

Done at New Delhi this thirtieth day of December One thousand nine hundred and eighty six in two originals in the Hindi, Arabic and English Languages, all texts being equally authentic. In the case of divergence amongst the three texts, the English text shall be the operative one.

For the Government of  
the Republic of India  
(C. K. TIKKU)

Chairman, Central Board  
of Direct Taxes and  
Ex-officio Additional  
Secretary to the  
Government of India

For the Government of  
Yemen Arab Republic

Sd/-  
(NASER AALWAY ALSAMAN)  
Assistant Deputy Minister  
Ministry of Finance

[F. No. 501/4/83-FTD]  
V. U. ERADI, Jt. Secy.